'कविता की चुनौती' विषय पर वेबिनार का आयोजन

वेब के माध्यम से शामिल हुए मधुबनी के तीन नामचीन साहित्यकार

मधुबनी/सं। तीन नामचीन मूर्धन्य विद्वानों के साथ समकालीन कविता की चुनौती विषय पर वेब सेमिनार का आयोजन किया गया है। साहित्य अकादमी नई दिल्ली के तत्वावधान में वेबलाइन साहित्य शृंखला के अंतर्गत मैथिली परिचर्चा आयोजित की गई। जिसमें जिले के तीन नामचीन साहित्यकार हितनाथ झा, विद्यानंद झा एवं अजित आजाद को शामिल किया गया। परिचर्चा का विषय मैथिली कविताक समकालीन चुनौती निर्धारित था। परिचर्चा का संचालन साहित्य अकादमी में उप सचिव सुरेश बाबू ने किया। कोरोना काल में अकादमी के इस प्रयास को मैथिली भाषा साहित्य के विद्वानों ने सराहनीय कदम बताया है। साहित्य अकादेमी द्वारा वर्तमान समय में वक्ताओं को वेब माध्यम से जोड़कर मुद्दा आधारित कार्यक्रम किया जा रहा है। कवि विद्यानंद झा ने आरंभिक वक्तव्य देते हुए कहा कि लेखकों को आज पाठकों तक पहुंचने की जरूरत है। विश्व साहित्य के स्तर का लेखन और उसका प्रसार आवश्यक है। युवा कवि अजित आजाद ने बताया कि आज के अधिसंख्य कवि लोगों से जुड़ने की बजाय लोकप्रियता से जुड़ना चाहते हैं। यह एक खतरनाक स्थिति है। कवि हितनाथ झा ने विभिन्न बिंदुओं के हवाले से आज की मुख्य समस्याओं की ओर साहित्य अकादेमी का ध्यान आकृष्ट किया। इस परिचर्चा का प्रसारण 31 जुलाई को अकादमी के यूट्यूब चैनल सहित अन्य माध्यमों पर किया गया है। साहित्य अकादमी के इस अनूठे अंदाज में मैथिली भाषा साहित्य के संरक्षण व संवर्धन की प्रयास की सराहना की गई है। मैथिली प्राध्यापक प्रो सोनी कुमारी ने साहित्य अकादेमी के सचिव सुरेश बाबू के प्रति आभार व्यक्त किया है।